मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति (CCHD) में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम एक प्रशंसनीय कदम

Certificate Course in HOMEOPATHY DISPENSIG (CCHD)

(होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति प्रमाण-पत्र)

RECOGNIZED BY : NIOS, MHRD GOVT. OF INDIA

DURATION : 1 YEAR ELIGIBILITY : 10th PASS

रोजगार के अवसर :-

कोर्स के पश्चात (NIOS, MHRD) भारत सरकार द्वारा निर्धारित रोजगार अवसर :-

1. इस कोर्स को करने के बाद विद्यार्थी/कार्यकर्ता को हस्पतालों, नर्सिंग होम, स्वास्थ्य कल्बों आदि में कार्य करने के अवसर प्राप्त होगें।
2. होमयोपैथिक हॉस्पिटल/क्लिनिक्स में सहायक तथा फार्मासिस्ट का कार्य कर सकते हैं।
3. आयुष विभाग से अनुमोदन उपरान्त होमयोपैथिक फार्मेसी खोल सकते है।
4. होमयोपैथिक कार्यकर्ता के रूप में राजकीय Govt. और निजी क्षेत्र में सेवाऐं दे सकते है।

इस कोर्स को चलाने के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है :-

- होमयोपैथिक चिकित्सा पद्धति सस्ती, सुलभ व हानि रहित मानव कल्याणकारी चिकित्सा पद्धति है इसका प्रमुख कारण होमयोपैथिक औषधियों का हानि रहित होना तथा साधारण एवं असाध्य बीमारियों को ठीक कर मानव को स्वस्थ करना ही इसका मुख्य उदेश्य है।

- आज तक बहुत से लोग अवैध रूप से बिना लाईसेंस व सर्टिफिकेट के स्वास्थ्य सेवायें कर रहें हैं। परन्तु अब इसे रोकने के लिए सरकार ने सख्त कानून (क्लीनिकल एस्टब्लिशमेंट एक्ट 2010) बना दिया है। इस कानून के तहत बिना लाईसैंस के सेवाऐं करने पर सजा व जुर्माना भी हो सकता है।
- अगर आप भी होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति में सेवायें दे रहें है। तो NIOS, MHRD Govt. of India के द्वारा करवाया जाने वाला (CCHD) होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति, कोर्स करके बिना किसी डर के सरकार द्वारा अधिकृत रूप से सेवायें कर सकते हैं।

➔ NIOS MHRD Govt. of India Board जो इन कोर्सों को प्रायोजित करता है वह क्या है इसकी जानकारी निम्न है :- मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के अधीन भारतीय संसद/भारत सरकार महामहीम राष्ट्रपति महोदय (गजट नोटिफिकेशन- Part I SEC. of No. 42 of The Gazette Notification of India 20th Oct. 1990) द्वारा विधि सम्मत स्थापित एक राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड है जिसको 10, 10+2 शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक शिक्षा के अनेक पाठ्यक्रमों के अर्न्तगत स्वास्थ्य पैरा चिकित्सा (Health & Paramedical) कोर्सेज करवाने का अधिकार प्रदान किया गया है जो सम्पूर्ण भारत में राज्य सरकारों द्वारा कानून मान्यता तथा सरंक्षण प्राप्त है। NIOS को विश्व का सबसे बड़ा बोर्ड होने का गौरव प्राप्त है। NIOS बोर्ड के विदेशों में अध्यन केन्द्र स्थापित है।

Scanned with CamScanner

जैसा कि हम सभी जानते है कि विश्व में अनेक चिकित्सा पद्धतियां मानव को आरोग्य प्रदान करने हेतु प्रचलित है। सभी पद्धतियों की अपनी-अपनी विशेषता तथा महत्व है। सभी चिकित्सा पद्धतियों में होम्योपैथी का एक अलग ही अपना महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि होम्योपैथी निरापद सस्ती, सर्व सुलभ, हानि रहित मानव कल्याणकारी पद्धति है। बहुत ही कम समय में होम्योपैथी ने विश्व व भारत में जो अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया है, इसका प्रमुख कारण होम्योपैथी औषधियों का हानिरहित होना तथा साधारण एवं असाध्य बीमारियों को ठीक कर मानव को स्वस्थ करना ही है।

आज भारत में होम्योपैथी के अध्ययन-अध्यापन, शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु विश्वविद्यालय, महाविद्यालय विद्यमान है। जिनमें स्नातक (BHMS) स्नातकोत्तर (M.D. HOMEO) आदि डॉक्टरी कोर्स संचालित किये जा रहे है परन्तु ऐसा कोई पैरा मेडिकल (होम्योपैथी) का कोर्स नहीं था, जिसको आम व्यक्ति हर होम्योपैथी के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाऐं दे सके। इस विषय को ध्यान में रखकर देश में सम्भवतया पहली बार भारत सरकार ने होम्योपैथी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षितकर्मी कार्य करें तथा देश के दूर-दराज क्षेत्रों में होम्योपैथी का प्रचार-प्रसार एवं प्रचलन बढ़े, इस हेतु इस महत्वपूर्ण कोर्स (CCHD) को प्रारम्भ किया है। आशा और विश्वास है कि होम्योपैथी के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे अनुभवी लोगों तथा नये शिक्षार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम बहुत लाभदायक सिद्ध होगा।

भारत सरकार ने विशेषज्ञ होम्योपैथी डॉक्टर्स की टीम का गठन कर इस कोर्स/पाठ्यक्रम का निर्माण करवाया है जो प्रशंसनीय हैं। पाठ्यक्रम की रूपरेखा में निम्न महत्वपूर्ण विषयों का शामिल किया है :-

Ist Paper : Introduction to Homoeopathy
IInd Paper : Introduction to Homeopathic Dispensing.

Paper I Code- 718 (Introduction to Homoeopathy) -

I. Elementary Anatomy II. Elementary Physiology III. History of Homeopathy
(i) dr. Samuel Hahnemann (ii) Discovery of the law of cure
(iii) Homeopathy Science & Art.
IV. Elementary organon of Medicine - (i) Introduction (ii) Fundamental of cardinal principles of Homeopathy (iii) Concept of Health, Disease and Cure in Homoeopathy (iv) Totality of Symptoms (v) How do the homoeopathic medicine act. (vi) Case Taking (vii) Individualization. (viii) Dict and Regimen
V. Introduction of Homoeopathic Materia Medica. VI. Take the patients vital signs- (i) Pulse (ii) Blood Pressure (sphygmomanometer) (iii) Stethoscope (iv) Thermometer (v) Breathing Rate

PAPER IInd code 719 (Introduction to Homeopathic Dispensing)

I. Pharmacy, Homoeopathic Pharmacy, Pharmacopoeia. II. Sources, Collection and Preservation of Drug Substances. III. Homeopathic Dispensary IV. Preparation of Homeopathic Medicine V. Homoeopathic Posology VI. List of Essential Drugs with Abbreviations. VII. Study of Prescription and Abbreviations used in Prescription. VIII. Drugs and Cosmetic Acts Medicinal and Toilet Preparation Act. IX. Duties and Responsibilities of a Dispenser.

Scanned with CamScanner

Practical Curriculum : Module-I : I . Identification of bones & viscera and their functions from chats. Module -II : I. Identification and uses of common utensils & containers used in a Homeopathic dispensary and their cleaning. II. Identification of Some homeopathic drugs (at least 20 drug substances) -10 from vegetable kingdom, 5 from animal kingdom, 5 from mineral kingdom III. Estimation of size of globules, Medication of globules. IV. Potentisation of Homeopathic drugs from 29 to 30 V. Trituration of 2 Homeopathic drugs from 3x to 4x VI. Serving of 20 homeopathic precipitations 7 in distiller water, 2 in mother tincture, 2 in Biochemic tablets, 2 in Tribulations.. VII. Preparation of external applications Lotion, Glycerol, Ointments.

प्रवेश योग्य वर्ग :–

1. होम्योपैथी के क्षेत्र में कार्य कर रहे अप्रशिक्षित कर्मी जिनके पास किसी प्रकार का डिप्लोमा/सर्टिफिकेट नहीं है, यह कोर्स कर अधिकृत (Certificd) होने का अवसर है।
2. राज्य में होम्योपैथी फार्मेसी चला रहे संचालकगण/होम्योपैथिक मेडिकल स्टोर संचालन कर रहे जन आप भी कोर्स कर मुख्य धारा में आ सकते है।
3. सेवानिवृत्त शिक्षाविद, कर्मचारी, अधिकारी इस ट्रेनिग को कर होम्योपैथिक सेवाओं में भूमिका अदा कर सकते है।
4. बेरोजगार युवक-युवतियां जो होम्योपैथी के विभिन्न क्षेत्रों में स्वरोजगार के इच्छुक है।
5. अन्य चिकित्सा पद्धतियों के डॉक्टर्स, नर्सिंग, पैरा मेडिकल कर्मी जा होम्योपैथी सीखना तथा सेवाऐं करना चाहते है, उनको भी अवसर उपलब्ध है।
6. होम्योपैथी से स्वास्थ्य सेवाऐं कर रहे अनेक ऐसे डॉक्टर परिवार जिनके बच्चे होम्योपैथी के डॉक्टर परिवार जिनके बच्चे होम्योपैथी के डॉक्टर नहीं बन पाये या बने, वो भी परिवार के किसी सदस्य को ट्रेनिंग करवाकर अपने अनुभव को स्थानान्तरित करते हुये होम्योपैथिक सेवाओं को आगे बढ़ा सकते है।
7. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा के डॉक्टर्स भी यह ट्रेनिग कर अपनी चिकित्सा पद्धति के साथ-साथ होम्योपैथिक सेवाओं से आम-जन को लाभान्वित कर सकते है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (Training Programme)

भारत सरकार के प्रावधान के अनुसार हमारे संस्थान में होम्योपैथिक विषयों का सैद्धान्ति एवं प्रोयोगिक (Theory & Practical) अध्ययन पदुपरान्त सम्बद्ध होम्योपैथी क्लिनिक्स, हॉस्पिटल्स में कर्माभ्यास (Clinical Practical Training) की सुव्यवस्था उपलब्ध है।

कोर्स के पश्चात NIOS मा.सं.वि.मं., भारत सरकार द्वारा निर्धारित रोजगार अवसर (Job Opportunities)

Can work as assistant/pharmacist in homeopathic Hospitals & Clinics. Can start his own pharmacy after homeopathic drug licence from State Ayush. • होम्योपैथिक हॉस्पिटल्स/क्लिनिक्स में सहायक तथा फार्मासिस्ट का कार्य। आयुष विभाग से अनुमोदन उपरान्त होम्योपैथिक फार्मेसी खोलना।

Scanned with CamScanner

➔ NIOS MHRD Govt. of India Board जो इन कोर्सो को प्रायोजित करता है वह क्या है इसकी जानकारी निम्न है :- मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के अधीन भारतीय संसद/भारत सरकार महामहीम राष्ट्रपति महोदय (गजट नोटिफिकेशन- Part I SEC. of No. 42 of The Gazette Notification of India 20th Oct. 1990) द्वारा विधि सम्मत स्थापित एक राष्ट्रीय शिक्षा बोर्ड है जिसको 10, 10+2 शिक्षा के साथ साथ व्यावसायिक शिक्षा के अनेक पाठ्यक्रमों के अर्न्तगत स्वास्थ्य पैरा चिकित्सा (Health & Paramedical) कोर्सेज करवाने का अधिकार प्रदान किया गया है जो सम्पूर्ण भारत में राज्य सरकारों द्वारा कानून मान्यता तथा संरक्षण प्राप्त है। NIOS को विश्व का सबसे बड़ा बोर्ड होने का गौरव प्राप्त है। NIOS बोर्ड के विदेशों में अध्यन केन्द्र स्थापित है।

''होम्योपैथी डॉक्टर का साढे पाँच वर्षीय अध्ययन आम जन के लिये आसान नहीं है। होम्योपैथी के प्रचार-प्रसार तथा दूर-दराज के क्षेत्रों में होम्योपैथी की जानकारी व सेवाऐं प्रदान करने के लिए भारत सरकार का यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम लाभदायिक/उपयोगी साबित होगा। साथ ही होम्योपैथी डॉक्टर को प्रशिक्षित सहायक मिलने से उसकी कार्यक्षमता बढेगी तथा सहायक के ज्ञान की अभिवृद्धि होगी। जिसके निश्चित ही अच्छे परिणाम प्राप्त होगें। - डॉ. विनोद शर्मा (Homeopathic Sr. Specialist, Cancer, Diabities, Heart, Paralysis, Ex Medical Officer (Homeo) Govt. of Rajasthan)

''हनीमैन साहब का भूलोक पर आना हनुमान जी के अवतरण जैसा है, जिस प्रकार रामभक्त हनुमान संजीवनी बूटी लेकर आये थे, उसी प्रकार हनीमैन साहब ने होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति का आविष्कार कर मानव कल्याणकारी कार्य किया है।

- डॉ. सुमेर सिंह शेखावत, परसरामपुरा (शेखावाटी के विख्यात होम्योपैथ)

''होम्योपैथी को एक वर्ष में जानना, पढ़ना, सीखना ऊँट के मुँह में मुठ्ठी भर जीरा जैसा है, फिर भी जीरे की महक तथा गुण से ऊँट मदमस्त और भूखा हो जाता है, उसी प्रकार एक वर्ष का अध्ययन और प्रेक्टिकल कार्य शिक्षार्थियों को ऐसी रोशनी प्रदान करेगा जिसके प्रकाश में जीवन भर होम्योपैथी का अध्ययन करता हुआ समुद्र में से मोती लाकर मानव स्वास्थ्य कल्याण में अहम भूमिका अदा कर सकेगा।

- डॉ. शुभम् दाधीच (युवा होम्योपैथ)

नोट : CCCH - सामुदायिक स्वास्थ्य (ऐलोपैथी), CCAT आयुर्वेद, CCY - योग Electrical Technician कोर्सेज जो भारत द्वारा प्रायोजित किये जा रहे है, हमारे संस्थान से आप इन्हें कर अधिकृत सेवाऐं कर सकते है।

Scanned with CamScanner